Peer Reviewed/
Refereed Journal

ISSN -PRINT-2231-3613ONLINE2455-8729
International Educational Journal
CHETANA
Impact Factor SJIF=4.157

Received on 3rdMar. 2019, Revised on 8thMar. 2019; Accepted16thMar., 2019

शोध पत्र

उच्चतर माध्यमिक विभाग के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अभ्यास

* डा. अमिता आर. यादव
सहायक प्राफेसर (शिक्षा)
सत्यम् शिक्षा महाविद्यालय, भरूच (गुजरात)
Email-amitaravindra@gmail.com, Mo–9879639597

मुख्य शब्द –साक्षरता, समावेशी आदि।

प्रस्तावना

शैक्षिक उपलब्धि से विद्यार्थियों का भाग्य उज्ज्वल होता है। कक्षा मे विद्यार्थियों का अध्ययन अधिक कार्यक्षेत्र बने इसलिए मनोवैज्ञानिक अनेकोनेक अध्ययन पद्धतियों का अभ्यास करके संशोधन किया है। विद्यार्थियों को अभ्यासकाल के दौरान ही विविध प्रवाह के सभी पासों से परिचित कराते वाणिज्य विज्ञान, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, जीवशास्त्र, तर्कशास्त्र, आंकड़ाशास्त्र आदि अनेक विषयों का सघन अभ्यास कराया जाता है। इन प्रवाह के माध्यम से मूलगत बातों को पचाकर उसका आधुनिक समस्या के निदान मे विद्यार्थी प्रयत्न करे। वह आवश्यक है। आधुनिक जीवन की समस्या और उनके उत्तर क अभ्यास विद्यार्थी निर्भयता से कर सके। इसलिये सरकार ने भी अथक प्रयास किया है। जिसके फलस्वरूप अभ्यास क्रम है।

शिक्षण क्षैत्र मे उच्चतर माध्यमिक विभाग मे अभ्यास करते विद्यार्थी का पाठशाला शिक्षण का अंतिम चरण होता है। उनकी यह शैक्षिक उपलब्धि के आधार पर ही वे उच्च विध्याशाखाओ मे गुणाकन या विद्यार्थी ने जिस विषय का ज्ञान प्राप्त किया है। उसकी गहनता ये निर्धारित है। विद्यार्थी की शैक्षिक सिद्धि के लिए शिक्षण प्रक्रिया का सविशेष महत्व है। विधालय का भावावरन भी विद्यार्थी की उपलब्धि ये असर करता है। कक्षा का प्रत्येक विद्यार्थी उच्च सिद्धि प्राप्त करे यही शिक्षक का भी उद्देश्य होता है।

उद्देश्य

1. उच्चतर माध्यमिक विभाग के कक्षा 11 के विद्यार्थियों और विध्यार्थिनियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन।
2. उच्चतर माध्यमिक विभाग के कक्षा 11 के विज्ञान प्रवाह के विद्यार्थी और विध्यार्थिनियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन।
3. उच्चतर माध्यमिक विभाग के कक्षा 11 के वाणिज्य प्रवाह के विद्यार्थी और विध्यार्थिनियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन।
4. उच्चतर माध्यमिक विभाग के कक्षा 11 के कला प्रवाह के विद्यार्थी और विध्यार्थिनियों की शैक्षिक सिद्धि का अध्ययन।
5. उच्चतर माध्यमिक विभाग के कक्षा 11 के विद्यार्थी और विध्यार्थिनियों की आर्थिक–सामाजिक स्थिति और शैक्षिक सिद्धि का अध्ययन।

परिकल्पना

1. उच्चतर माध्यमिक विभाग के कक्षा 11 के विद्यार्थियों और विध्यार्थिनियों की शैक्षिक उपलब्धि मे कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।
2. उच्चतर माध्यमिक विभाग के कक्षा 11 के विज्ञान प्रवाह के विद्यार्थियों और विध्यार्थिनियों की शैक्षिक उपलब्धि मे कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।
3. उच्चतर माध्यमिक विभाग के कक्षा 11 के वाणिज्य प्रवाह के विद्यार्थियों और विध्यार्थिनियों की शैक्षिक उपलब्धि मे कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।
4. उच्चतर माध्यमिक विभाग के कक्षा 11 के कला प्रवाह के विद्यार्थियों और विध्यार्थिनियों की शैक्षिक उपलब्धि मे कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।
5. उच्चतर माध्यमिक विभाग के कक्षा 11 के विद्यार्थियों की आर्थिकएवं सामाजिक स्थिति और शैक्षिक सिद्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

नमूना

प्रस्तुत संशोधन मे उपयोगी माहिती भरूच शहर, गुजरात के उच्चतर माध्यमिक विधालय के विज्ञान प्रवाह, वाणिज्य प्रवाह, कला प्रवाह के कुल 350 विद्यार्थियों को चयनित किया गया है।

समूह	**विज्ञान प्रवाह**	**वाणिज्य प्रवाह**	**कला प्रवाह**	**कुल**
विद्यार्थी	84	49	32	165
विद्यार्थीनियां	28	71	86	185
कुल	112	120	118	350

उपकरण

किसी भी संशोधन मे माहिती एकत्रित करना जरूरी होता है और इस प्रक्रिया के लिए किसी साधन या उपकरण का प्रयोग करना आवश्यक है।

प्रस्तुत संशोधन मे किसी भी आवश्यक माहिती एकत्र करने के लिए प्रमाणित कसोटी का प्रयोग किया है। जिसमे विद्यार्थियों की आर्थिक–सामाजिक कक्षा जानने हेतु भाईलालभाई पटेल और आई. डॉ. बॉस रचित आर्थिक– सामाजिक मापदंड का उपयोग किया गया है। एवं विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के लिए पाठशाला से विद्यार्थियों के परिणाम पत्रक के माध्यम से टकवारी प्रकट की है।

संशोधन पद्धति

संशोधन की अनेकों पद्धतियों का अध्ययन करने के बाद संशोधन सर्वेक्षण पद्धति का स्थान दिया है।

दत् विश्लेषण

प्रस्तुत संशोधित भरूच शहर की गुजराती माध्यम की उच्चतर माध्यमिक विभाग के तीन प्रवाह के कक्षा 11 मे अभ्यास करते विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि और उस पर असर करती बातों का अध्ययन हेतु आवश्यक माहिती प्राप्त करने के लिए कसौटी भरवाई गई थी। एवं कक्षा 11 की परीक्षा के परिणाम की टकावरी प्राप्त करके संशोधक ने विद्यार्थियों की

जाति, प्रवाह और आर्थिक–सामाजिक स्थिति का शैक्षिक सिद्धि के संदर्भ मे अध्ययन करने हेतु 'ज' मूल्य का प्रयोग किया है।

परिणाम

संशोधन के परिणाम नीचे दी गई सारणी के माध्यम से प्रस्तुत है। यह सारणी मध्यमान(mean) प्रमाण विचलन (SD) और 't' मूल्य है।

सारणी – 1.1

विद्यार्थी और विध्यार्थिनियों की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्तांक की सरासरी, प्रमाण विचलन और 't' मूल्य सारणी

समूह	संख्या n	मध्यमान mean	प्रमाण विचलन s. d	't'मूल्य
विद्यार्थी	165	45.59	15.27	0.50
विद्यार्थीनियां	185	46.39	14.63	

सारणी 1.1 मे 't' मूल्य 1.96 है। उसका यह परिणाम है। की विद्यार्थी और विध्यार्थिनियों की शैक्षिक सिद्धि के प्राप्तांक की सरासरी मे कोई अंतर नहीं है।

सारणी 1.2

विज्ञान प्रवाह के विद्यार्थी और विध्यार्थिनियों की शैक्षिक उपलब्धि मे प्राप्तांकों की सरासरी, प्रमाण विचलन, 'ज' मूल्य सारणी

समूह	संख्या n	मध्यमान mean	प्रमाण विचलन s. d	't'मूल्य
विद्यार्थी	84	50.03	16.11	3.53
विद्यार्थीनियां	28	62.16	14.39	

प्रस्तुत सारणी 1.2 अनुसार 't' मूल्य 2.58 होता है। जिसके अनुसार परुणामस्वरूप विज्ञान प्रवाह के विद्यार्थी और विध्यार्थिनियों की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्ताकांकी सरासरी मे अंतर है। सारणी 1.2 के अनुसार विज्ञान प्रवाह की विध्यार्थिनियों की सरासरी अधिक है।

सारणी 1.3

वाणिज्य प्रवाह के विद्यार्थी और विध्यार्थिनियों की शैक्षिक उपलब्धि मे प्राप्तांकों की सरासरी, प्रमाण विचलन, 't' मूल्य सारणी

समूह	संख्या n	मध्यमान mean	प्रमाण विचलन s. d	't'मूल्य
विद्यार्थी	49	45.56	13.61	0.99
विद्यार्थीनियां	71	48.10	13.71	

प्रस्तुत सारणी 1.3 मे 't' मूल्य 1.96 है। जिसके अनुसार परिणामस्वरूप वाणिज्य प्रवाह के विद्यार्थी और विध्यार्थिनियों की शैक्षिक उपलब्धि मे कोई अंतर नहीं है

सारणी 1.4

कला प्रवाह के विद्यार्थी और विध्यार्थिनियों की शैक्षिक उपलब्धि मे प्राप्तांकों की सरासरी, प्रमाण विचलन, 'ज' मूल्य सारणी

समूह	संख्या n	मध्यमान mean	प्रमाण विचलन s. d	't'मूल्य
विद्यार्थी	32	34.00	7.75	2.82
विद्यार्थीनियां	86	39.89	10.76	

प्रस्तुत सारणी 1.4 अनुसार 't' मूल्य 2.58 होता है। जिसके अनुसार परुणामस्वरूप कला प्रवाह के विद्यार्थी और विध्यार्थिनियों की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्ताकांकी सरासरी मे सार्थक अंतर है। कला प्रवाह की विध्यार्थिनियों की सरासरी अधिक है।

सारणी 1.5

आर्थिक–सामाजिक के विद्यार्थी और विध्यार्थिनियों की शैक्षिक उपलब्धि मे प्राप्तांकों की सरासरी, प्रमाण विचलन, 'ज' मूल्य सारणी

समूह	संख्या n	मध्यमान mean	प्रमाण विचलन s. d	't'मूल्य
विद्यार्थी	350	51.08	17.50	3.65
विद्यार्थीनियां	350	6.59	15.28	

प्रस्तुत सारणी 1.5 अनुसार 'ज' मूल्य 2.58 होता है। जिसके अनुसार परुणामस्वरूप आर्थिक–सामाजिक के विद्यार्थी और विध्यार्थिनियों की शैक्षिक उपलब्धि के प्राप्ताकांकी सरासरी मे सार्थक अंतर है। आर्थिक–सामाजिक की विध्यार्थिनियों की सरासरी अधिक है।

तारण

अंत मे प्रस्तुत संशोधन से यह निष्कर्ष निकलता है। की विद्यार्थियों की आर्थिक–सामाजिक स्थिति की असर शैक्षिक उपलब्धि पर होती है।

संदर्भ सूची

1. Dabhi Dayaljibhai & other (1997-1998).

   शैक्षणिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन परिशीलन बी.कास.शाह 'अहमदाबाद'।

2. DesaiK.G. & others (1984).

   "शैक्षणिक परिभाषा और विभावना यूनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बोर्ड 'अहमदाबाद'।

3. Fisher R.A. "statistical" methods for research workers, olives & boyd ltd. Edingburgh'.

4. Jrestinger & cartage (1993).

Educational research 'New Delhi'.

5. Garrett H.E. (1965).

Statistics in Psychology and education 'New York.'

6. Good C.V. & others (1941).

"Methodology educational research 'New York'.

7. Kindcriet B.F (1956) .

" Educational measurement 'Washington'.

*** Corresponding Author:**

डा. अमिता आर. यादव, *सहायक प्राफेसर (शिक्षा)*

सत्यम् शिक्षा महाविद्यालय, भरूच (गुजरात)

Email-amitaravindra@gmail.com, Mo–9879639597